विजेता जागो- पुरुषों का प्रार्थना कैलेंडर मई 2023

1. **परमेश्वर की बात**- प्रिय परमेश्वर, मैं आपको अपने प्रभु और मेरे परमेश्वर के रूप में स्वीकार करता हूं। मैं आभारी हूं कि आप हमेशा मेरे लिए रास्ता बनाते हैं। होने दे कि मैं मार्गदर्शन के लिए तेरी ओर देखना सीखूं। मुझे आप पर भरोसा है कि जब कोई रास्ता नहीं दिखता तब भी आप एक रास्ता बना लेंगे। जहाँ कहीं भी आप ले जा सकते हैं कि विश्वास से साहसपूर्वक बाहर निकलने के लिए मुझे अनुग्रह प्रदान करें। (यशा. 43:19)

2. **डरो मत**- प्रिय यीशु, मैं आपके आधिपत्य में अपने आप को प्रस्तुत करता हूं। मुझे आप पर भरोसा है कि आप मुझे सही रास्ते पर ले जाएंगे। जब मुझे खतरे का आभास होता है और डर लगता है, तो मुझे याद दिलाएं कि आप मेरे चरवाहे हैं। मुझे संघर्ष के बीच साहसी बने रहने दें। मैं आप में सुरक्षित हूं। इसलिए मैं बुराई से नहीं डरता! (भजन 23:4)

3. **परमेश्वर के अच्छे काम**- हे परमेश्वर, पहले मैं अपने जीवन में बहुत सी बातों में फंसा रहता था। तब, मैं आप पर ध्यान नहीं दे पाता और उस सब से बेखबर हो जाता था जो आपने मेरे लिए किया है। परन्तु अब मैं जानता हूँ कि मेरे कार्य कभी संतोषजनक नहीं होते, इसलिए मैं आपकी अगुवाई की प्रतीक्षा करता हूँ। मैं आप पर भरोसा करता हूं कि आप मेरे द्वारा भले काम करेंगे। (भजन 106:13)

4. **विश्वास करना अर्थात देखना**- प्रिय परमेश्वर, पहले मैं सोचता था कि देखना विश्वास करना है। परन्तु आपका मार्ग सदा विश्वास के द्वारा अनुग्रह ही है। अब समझ में आया कि जब विश्वास होगा तब देखूंगा। प्रभु, मुझे विश्वास की कृपा प्रदान करें ताकि मैं आप पर विश्वास कर सकूं और स्वयं देख सकूं। मेरे विश्वास को दृष्टि बनाने के लिए धन्यवाद! (मरकुस 9:24)

5. **परमेश्वर के मजदूर**- प्रिय परमेश्वर, मैं आपका मजदूर हूं। मुझे एहसास है कि मेरे श्रम का स्रोत आप ही से होना चाहिए। इसलिए, मैं आप पर भरोसा करता हूं कि आप मेरे द्वारा कार्य करेंगे। मुझे अपने विश्वास में दृढ़ रहने और आप में अटल रहने के लिए अनुग्रह प्रदान करें। मुझे यह दिखाने के लिए धन्यवाद कि आपके साथ मिलकर मेरा परिश्रम कभी व्यर्थ नहीं जाएगा! (1 कुरिन्थियों 15:58)

6**. चतुर और भोले** - ''इसलिये सांप के समान चतुर और कबूतर के समान भोले बनो'' (मत्ती 10:16)। जिस तरह से एक सांप अपने सिर की देखभाल करता है और तेजी से और सटीक हमला करता है वह एक अनुस्मारक के रूप में कार्य करता है कि हमारे मन और हृदय को हमेशा परमेश्वर की इच्छा और समय के अनुरूप रहने की आवश्यकता होती है। प्रार्थना करें कि आपकी विनम्र और प्रामाणिक गवाही मसीह की महिमा करे।

7. **रुकना नहीं**-“फिर यह मुझ से दूर हो कि मैं तुम्हारे लिये प्रार्थना करना छोड़कर यहोवा के विरुद्ध पापी ठहरूँ; मैं तो तुम्हें अच्छा और सीधा मार्ग दिखाता रहूँगा।” (1 शमूएल 12:23)। शमूएल की तरह, हमें भी प्रार्थना की इस याजकीय सेवकाई को करने के लिए बुलाया गया है। ईश्वर हमें विश्वासयोग्य रहने में मदद करें।

8. **भविष्य पर प्रभाव डाले**–"जो मुझ से प्रेम रखते और मेरी आज्ञाओं को मानते हैं, उनको मैं हजारों पीढ़ी तक प्रेम करता रहूंगा" (निर्ग. 20:6)। परमेश्वर के प्रति हमारा प्रेम उसकी आज्ञाओं का पालन करने में प्रदर्शित होता है। यह सबसे अच्छा है जो हम अगली पीढ़ी के लिए कर सकते हैं।

9. **प्रेम ढाँपता है** –"बैर से तो फूट उत्पन्न होती है, परन्तु प्रेम से सब अपराध ढंप जाते हैं" (नीतिवचन 10:12)। जिस तरह से हम दूसरों के बारे में बात करते हैं वह हमारे अपने दिल की स्थिति को प्रकट करता है। आइए हम एक-दूसरे के बारे में अच्छी बातें करें और ईमानदारी से नकारात्मक गपशप से दूर रहें।

10. **वरदान** -"हर एक को जो वरदान मिला है, वह उसका उपयोग औरों की सेवा करने में करे, और परमेश्वर के नाना प्रकार के अनुग्रह को सच्चाई से इस्तेमाल करता रहे" (1 पतरस 4:10)। एक मसीही के रूप में हम महसूस करते हैं कि हमारा कुछ भी नहीं है। हमें इसका आनंद लेना चाहिए, इससे दूसरों की सेवा करनी चाहिए और इसके लिए ईश्वर को धन्यवाद देना चाहिए।

11. **वफादारी** -"तेरा सोता धन्य रहे, और तू अपनी जवानी की पत्नी के कारण आनन्दित हो" (नीतिवचन 5:18)। परमेश्वर विवाह में विश्वासयोग्यता को आशीषित करता है। पति-पत्नी एक-दूसरे को प्रोत्साहित और आनन्दित कर सकते हैं। विश्वासघात बहुत दर्द और पीड़ा का कारण बनता है जिससे परमेश्वर हमें बचाना चाहते है।

12. **प्रोत्साहन** - दुनिया के विभिन्न हिस्सों से समाचार अक्सर चिंता और परेशानी का कारण बन सकते हैं। परमेश्वर का धन्यवाद करें कि वह नियंत्रण में है, चाहे हमारे आस-पास कुछ भी हो, और प्रार्थना करें कि वह आपको अपने साथी विश्वासियों को उसकी महिमा के बारे में याद दिलाने के किसी भी अवसर का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करे। (मत्ती 28:18)

13. **प्रेम**- मसीह के अनुयायी एक-दूसरे को जो प्रेम और चिंता दिखाते हैं, उसके कारण अनगिनत लोगों ने मसीह को अपने उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार किया है। प्रार्थना करें कि आपका जीवन, आपके लिए यीशु के प्रेम के बारे में ज़ोर से बोले। (रोमि. 12:10)

14. **परावर्तक** -जैसे चंद्रमा सूर्य के प्रकाश को प्रतिबिम्बित कर रहा है, वैसे ही आप परमेश्वर के प्रेम को इस तरह प्रतिबिम्बित कर सकते हैं कि वह दूसरों को दिखाई दे। प्रार्थना करें कि आप दूसरों के प्रति उनके प्रेम और करुणा को प्रतिबिंबित करें कि आप देख सकें कि परमेश्वर आपके माध्यम से परमेश्वर कैसे कार्य कर रहा है। (मत्ती 5:16)

15. **संगती** - एक मसीही के रूप में जीना आसान नहीं है जब हम अकेले हों और अन्य साथी विश्वासियों के साथ कोई संपर्क न हो। प्रार्थना करें कि परमेश्वर अन्य विश्वासियों को परमेश्वर के बारे में ज्ञान और उसके वचन के प्रति प्रेम में बढ़ने में मदद करने के लिए आपका उपयोग करे। (गला. 6:2)

16. **उदाहरण** -उदाहरण के द्वारा दूसरों का नेतृत्व करने और उन्हें सशक्त बनाने के बारे में अधिक इरादतन बनने वाले पुरुषों के लिए प्रार्थना करें। आप भी विश्वासियों के लिए एक मिसाल कायम कर सकते हैं। (1 तीमु. 4:12)

17. **गुण** -विनम्रता और विश्वासयोग्यता माननीय गुण हैं। परमेश्वर से पुरुषों को विनम्रता और निरंतरता के साथ नेतृत्व करने में मदद करने के लिए कहें। वह आपकी मदद करने में भी सक्षम है, यदि प्रेम में आपको किसी की सहनी भी पड़ती है। (इफि. 4:2)

18. **साहस** -ईश्वरीय नेतृत्व के लिए साहस की आवश्यकता होती है। पुरुषों के लिए प्रार्थना करें कि वे अपने साहस को प्रभु और उसकी शक्ति में पाएं। जब वह बुलाता है, तो आप बिना डरे उसका अनुसरण कर सकते हैं। (यहो. 1:9)

19. **नेतृत्व** -पुरुषों से खराब नेतृत्व के बारे में ईमानदार होने के लिए प्रार्थना करें, कबूल करें और क्षमा मांगें, फिर घर और कार्यस्थल में ईश्वरीय नेतृत्व को जीना शुरू करें। (याकूब 5:16)

20. **नमूना बनो** -"मेरी सी चाल चलो जैसा मैं मसीह की सी चाल चलता हूं" (1 कुरिन्थियों 11:1)। पुरुषों के लिए ईश्वरीय रोल मॉडल और सलाहकार चुनने के लिए प्रार्थना करें जो उन्हें उनकी नेतृत्वकारी भूमिकाओं में प्रोत्साहित कर सकें।

21. **आत्मनिरीक्षण**– "प्रत्येक व्यक्ति को अपने कार्यों का परीक्षण करना चाहिए। तब वह किसी दूसरे से अपनी तुलना किए बिना अपने ऊपर गर्व कर सकेगा, क्योंकि हर एक को अपना ही भार उठाना चाहिए" (गला. 6:4)। सावधान और जिम्मेदार रहें। अपने इरादों की जाँच करें। परमेश्वर द्वारा अनुमोदित होने के लिए प्रार्थना करें जो सभी चीजों का न्याय करेगा।

22. **परमेश्वर में आशा** -"इस संसार के धनवानों को आज्ञा दे, कि वे अभिमानी न हों, और न अनिश्चित धन पर आशा रखें, परन्तु परमेश्वर पर आशा रखें" (1 तीमुथियुस 6:17)। मानव हृदय धोखेबाज़ है और यहाँ और अभी जो प्राप्त किया जा सकता है उससे आसानी से जुड़ जाता है। विवेक और अटूट विश्वास के लिए प्रार्थना करें।

22. **प्रकाश में रहना** –"जो कोई ज्योति में होने का दावा करता है, परन्तु अपने भाई से बैर रखता है, वह अब तक अन्धकार में है" (1 यूहन्ना 2:9)। प्रभु को अपने आप को प्रकट करने दें और आपके गहरे इरादों और लालसाओं में चमकने दें। अपने पूरे हृदय से उसका धन्यवाद करें कि वह आपके पापों का भुगतान करने के लिए मरा और उसे आपको अपनी दया और अनुग्रह का पात्र बनाने की अनुमति दी।

23. **क्षमा** - "और जिस प्रकार हम ने अपने अपराधियों को क्षमा किया है, वैसे ही तू भी हमारे अपराधों को क्षमा कर" (मत्ती 6:12)। परमेश्वर की अद्भुत स्वतंत्रता और क्षमा की शर्त उन लोगों को क्षमा करने की हमारी तत्परता है जिन्होंने हमें नुकसान पहुँचाया है। क्षमा न करना; केवल कड़वाहट, भावनात्मक और मानसिक संकट की ओर ले जाता है। प्रभु की प्रार्थना प्रतिदिन हृदय से करें।

24. **जातीयतावाद** - "न तो कोई यहूदी है और न यूनानी, न दास है न स्वतंत्र, न नर है न नारी, क्योंकि तुम सब मसीह यीशु में एक हो" (गला. 3:28)। जातीयतावाद से मुक्त होने के लिए प्रार्थना करें जो आपको उन लोगों को कम आंकना सिखाता है जो आपके अपने सांस्कृतिक अनुभव और सामाजिक स्थिति से अलग है। मसीह का प्रेम आपके द्वारा दूसरों को गले लगाना चाहता है।

25. **अनुग्रह**- "तुम हमारे प्रभु यीशु मसीह का अनुग्रह जानते हो कि वह धनी होकर भी तुम्हारे लिये कंगाल बन गया, ताकि उसके कंगाल हो जाने से तुम धनी हो जाओ।" (2 कुरिन्थियों 8:9)। परमेश्वर का अद्भुत अनुग्रह कमाल है और हमारी समझ से परे है! आपके लिए उनके पास जो अतुलनीय धन है उसके लिए उनका धन्यवाद और स्तुति करें।

26. **परिप्रेक्ष्य** -"मेरा मन तो कड़वा हो गया था, मेरा अन्त:करण छिद गया था" (भजन 73:21)। अन्याय और बुराई की सफलता के बीच परिप्रेक्ष्य खोना आसान है। अगर बुरे लोगों और परिस्थितियों ने आपके दिल को जकड़ लिया है तो अपना ध्यान ठीक करें। प्रभु आज भी शासन करता है!

27. **अप्रत्याशित** - "इसलिए कल के बारे में चिंता मत करो ... प्रत्येक दिन की अपनी पर्याप्त परेशानी होती है" (मत्ती 6:34)। पुरुषों के रूप में हम नियंत्रण करना पसंद करते हैं। मुश्किल लोग और हालात हमें चुनौती देते हैं। लेकिन जीवन अप्रत्याशित है। प्रभु पर भरोसा रखने के लिए हमेशा तैयार रहें। कल आपको जिस भावनात्मक ताकत की जरूरत है, उसे आज खर्च करने से बचें।

28. **सुसमाचार** –"क्योंकि मैं सुसमाचार से नहीं लजाता, इसलिये कि वह हर एक विश्वास करनेवाले के लिये, पहले तो यहूदी फिर यूनानी के लिये, उद्धार के निमित्त परमेश्वर की सामर्थ्य है।" (रोमियों 1:16)। हमें निश्चित रूप से उन सभी के लिए प्रार्थना करनी चाहिए जो अधिकार में हैं और हमारे समाज की भलाई में योगदान करते हैं। लेकिन हम इससे भी बेहतर कर सकते हैं। यीशु मसीह के लिए एक आनन्दित गवाह बनने के लिए प्रार्थना करें।

29. **आत्मसंयम** –"पर मैं तुम से कहता हूं, कि जो कोई किसी स्त्री पर कुदृष्टि डाले वह अपने मन में उस से व्यभिचार कर चुका" (मत्ती 5:28)। बिक्री मनोविज्ञान पुरुषों के मानस का अध्ययन करता है और पोर्नोग्राफी बेचता है। आपको शिकार नहीं होना चाहिए। आत्मसंयम के लिए प्रार्थना करें। अपनी आंखों का ध्यान रखें और अपने पूरे जीवन के साथ प्रभु का सम्मान करें।

30. **हर आदमी एक योद्धा** -"परमेश्वर के सारे हथियार बान्ध लो, कि तुम शैतान की युक्तियों के साम्हने खड़े रह सको" (इफिसियों 6:11)। जीवन पार्क में टहलना नहीं है। हम अच्छाई और बुराई के बीच युद्ध के ठीक बीच में हैं। युद्ध के लिए तैयार रहो।

31. **सब कुछ** -"जो मुझे सामर्थ देता है उसके द्वारा मैं सब कुछ कर सकता हूं" (फिलि. 4:13)। पुरुषों के रूप में हम प्रतिस्पर्धी हैं और चीजों को अपने तरीके से करना पसंद करते हैं। मसीही जीवन अलग है। यह मसीह का जीवन है। हम इसे अपने दम पर नहीं जी सकते। अपनी इच्छा को मसीह को सौंपने के लिए तैयार रहें और उसके लिए प्रार्थना करें कि वह हर चीज में आपकी पर्याप्तता हो।